

पुलारना स.क्रि. (देश.) पोला/खोखला करना।

पुलाव पुं. (तद्.) (सं. पुलाक से फा. पलाव) 1. पकाए हुए मीठे/नमकीन चावल 2. मांस तथा चावल को मिलकर तैयार किया गया एक विशेष प्रकार का व्यंजन।

पुलिंद पुं. (तत्.) 1. भारत की एक प्राचीन जाति या उसका व्यक्ति 2. उक्त जाति के निवास का क्षेत्र।

पुलिंदा पुं. (देश.) कागज़/कपड़े आदि में बंधा या लपेटा हुआ सामान।

पुलिन पुं. (तत्.) 1. समुद्र का मंद ढाल वाला रेतीला तट, समुद्र में आने वाले ज्वार के पहुँचने की दूरस्थ तथा निकटतम सीमाओं के बीच की भूमि 2. नदी का रेतीला तट/किनारा 3. नदी की रेत।

पुलिनवती स्त्री. (तत्.) नदी।

पुलिया स्त्री. (देश.) छोटे नाले आदि पर बनाया गया छोटा पुल।

पुलिस स्त्री. (अं.) जनता के जान-माल की सुरक्षा और अपराधियों के नियंत्रण तथा शांति-व्यवस्था को सुचारु ढंग से चलाए जाने हेतु बनाया गया प्रशासन का एक विभाग, आरक्षी, सिपाही।

पुलिसराज पुं. (अं.+सं.) पुलिस की मनमानी/दबदबा/आतंक।

पुल्टिस स्त्री. (देश.) एक प्रकार का गर्म प्रलेप जो घाव को पकाने या फोड़ने के लिए घाव पर बाँधते हैं।

पुश्त स्त्री. (फा.) 1. पीठ, पृष्ठ, पीछे का भाग 2. पीढ़ी; मुहा. पुश्त-दर-पुश्त- पीढ़ी-दर-पीढ़ी; चौदह पुश्तों में- बहुत अधिक समय में; पुश्तनामा-वंशवृक्ष, कुर्सीनामा।

पुश्ता पुं. (फा.) 1. टीला 2. मिट्टी की दीवार जो नदी के किनारे पानी रोकने के लिए बनाते हैं।

पुश्तैनी वि. (फा.) 1. पीढ़ी दर पीढ़ी, कई पीढ़ियों का, पूर्वजों का, वंशपरंपरागत।

पुष्कर पुं. (तत्.) 1. जलाशय, सरोवर, पोखर, तालाब 2. नीला कमल।

पुष्करबीज पुं. (तत्.) कमलगट्टा।

पुष्कराक्ष वि. (तत्.) कमल सदृश नेत्रों वाला, कमल-नयन पुं. विष्णु।

पुष्करिणी स्त्री. (तत्.) 1. छोटा सरोवर, छोटा तालाब 2. हथिनी 3. कमल 4. कमलों से भरा हुआ जलाशय।

पुष्कल वि. (तत्.) 1. पूर्ण, भरपूर, भरा हुआ 2. प्रभूत, अधिक, विपुल 3. पर्याप्त पुं. अनाज नापने का एक प्राचीन मान जो 64 मुट्ठी के बराबर होता था।

पुष्ट वि. (तत्.) 1. पाला हुआ, पालित-पोषित 2. बालिष्ठ, तगड़ा 3. दृढ़, मजबूत 4. कथ्य/बात जो प्रमाणों से सत्य या प्रमाणित सिद्ध हो।

पुष्टकाय वि. (तत्.) जिसका शरीर/काय/तन पुष्ट हो।

पुष्टता स्त्री. (तत्.) 1. पुष्ट होने की अवस्था/भाव, पुष्टि 2. बलिष्ठता, दृढ़ता, मजबूती।

पुष्टि स्त्री. (तत्.) 1. पुष्टता, दृढ़ता, मजबूती 2. पोषण 3. बलिष्ठता, ठोसपन 4. संपन्नता 5. कथन या तथ्य की सत्यता को प्रमाणों आदि से समर्थन।

पुष्टिमार्ग पुं. (तत्.) द्वैतवादी वैष्णव वल्लभाचार्य द्वारा प्रवर्तित वैष्णव संप्रदाय।

पुष्टीकरण पुं. (तत्.) 1. पुष्टि करना 2. पुष्ट करना।

पुष्पंधय वि. (तत्.) भ्रमर, भौरा, फूल के रस/मकरंद का पान करने वाला।

पुष्प पुं. (तत्.) 1. फूल, कुसुम, सुमन 2. स्त्री का रज।

पुष्पक पुं. (तत्.) 1. कोई छोटा पुष्प/फूल 2. यक्षराज कुबेर का विमान विशेष।